Bhojpuri

(A)Major Core Courses

Sl. No.	Sem	Type of Course	Name ofCourse	Credits	Marks
1.	I	MJC-1	भोजपुरी साहित्यके इतिहास (आदिकाल स मध्यकाल)	6	100
2.	II	MJC-2	प्रचीन और मध्यकालीन भोजपुरी काव्य	6	100
3.	III	MJC-3	भोजपुरी कथा साहित्य (उपन्यास–कहानी)	5	100
4.	III	MJC-4	भाषा विज्ञान और भोजपुरी भाषा	4	100
5.	IV	MJC-5	काव्य शास्त्र (भारतीय आ पाश्चात्य)	5	100
6.	IV	MJC-6	आधुनिक भोजपुरी काव्य	5	100
7.	IV	MJC-7	भोजपुरी साहित्य के लोक सहित्य	5	100
8.	V	MJC-8	भोजपुरी आलोचना और निबंध	5	100
9.	V	MJC-9	भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आधुनिककाल)	5	100
10.	VI	MJC-10	भोजपुरी के स्वतंत्रा पूर्व कविता	4	100
11.	VI	MJC-11	प्रवासी भोजपुरी भाषा साहित्य	5	100
12.	VI	MJC-12	क्षमकाजी भोजपुरी	5	100
13.	VII	MJC-13	भोजपुरी के कुँवर काव्य, महेन्द्र मिश्र काव्य और भिखारी ठाकुर साहित्य	5	100
14.	VII	MJC-14	भोजपुरी पत्र कारिता	5	100
15.	VII	MJC-15	भोजपुरी नाटक आ एंकाकी	6	100
16.	VIII	MJC-16	भोजपुरी लोककला,लोक साहित्य और संगीत	4	100

Sub Total = 80

StudyGrim.com

स्नातक (भोजपुरी)
सेमेस्टर–।

MJC-I
क्रेडिट–06

अंक–100

भोजपुरी–साहित्य के इतिहास
(आदिकाल से मध्यकाल)

पाठ्यकम के उद्देश्य–

(1) भोजपुरी साहित्य के आदिकाल आ मध्यकाल से विद्यार्थी लोगन के अवगत करावल।

(2) सिद्धसाहित्य, नाथसाहित्य, संतसाहित्य आ सगुणभक्ति साहित्य से विद्यार्थी लोगन के अवगत करावल।

(3) भोजपुरी साहित्य के विकास के गति आ दिशाबोध से विद्यार्थी लोगन के अवगत करावल।

परिणाम(Outcomes)

I. इतिहास–निर्माण के प्रकिया के बोध होई।

II. भोजपुरी के गाथासाहित्य के अध्ययन से छात्रलोगन में संघर्ष, प्रेम का राष्ट्रीयभावना के विकास होई।

III. प्राचीन आ मध्यकालीन साहित्य में व्यक्त मूल्यबोध से छात्रलोग प्रेरणा ग्रहण करिहन।

IV. भक्ति साहित्य के अध्ययन से छात्र लोगन में उदात्त मानवीय मूल्यन के विकास होई।

V. गहन विचार प्रक्रिया के संपर्क में अइला से विद्यार्थी लोगन में जीवन जिये के कला के विकास होई।

अंक–विभाजन

समय–03 घंटा

1. आलोचनात्मक 05 प्रश्नन में से 03 गो के उत्तर जरूरी– 10X3=30
2. लघूत्तरी 06 प्रश्नन में से 04 गो के उत्तर जरूरी– 5X4=20
3. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी 10X2=20

70

आंतरिक मूल्यांकन

1. लिखित परीक्षा –15
2. एसाइनमेंट –05
3. सेमिनार / क्विज / –05
4. उपस्थिति –05

30

StudyOrigin.com

इकाई–01–	साहित्य के इतिहास दर्शन, इतिहास–लेखन के परम्परा	**व्याख्यान 8** **ट्यूटोरियल 2=10**
इकाई–02–	काल–विभाजन, नामकरण, आदिकाल के पृष्ठभूमि आ परिस्थिति	**व्याख्यान 9** **ट्यूटोरियल 3=12**
इकाई–03–	सिद्धसाहित्य, नाथसाहित्य आ गाथाकाव्य के परिचय आ विशेषता।	**व्याख्यान 9** **ट्यूटोरियल 3=12**
इकाई–04–	मध्यकाल के विभिन्न परिस्थिति, भक्तिकाल के आविर्भाव के कारण, संतसाहित्य के परिचय आ विशेषता	**व्याख्यान 9** **ट्यूटोरियल 3=12**
इकाई–05–	सगुणभक्ति काव्य, सरभंग सम्प्रदाय आ सखी संप्रदाय के परिचय आ विशेषता	**व्याख्यान 11** **ट्यूटोरियल 3=14**

अभिस्तावित ग्रंथ–

1) साहित्य का इतिहास दर्शनः आचार्य नलिनविलोचन शर्मा
2) भोजपुरी भाषा और साहित्यः डॉ. उदयनारायण तिवारी
3) भोजपुरी साहित्य का इतिहासः डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
4) भोजपुरी साहित्य के संक्षिप्त इतिहासः डॉ. नागेन्द्र प्रसाद सिंह
5) भोजपुरी भाषा का इतिहासः श्री रासबिहारी पाण्डेय
6) भोजपुरी साहित्य के समीक्षात्मक इतिहासः डॉ. चन्द्रमा सिंह
7) भोजपुरी साहित्य के इतिहासः डॉ. अर्जुन तिवारी
8) भोजपुरी के आदिकाव्य–डॉ. जयकांत सिंह 'जय'
9) भोजपुरी की विकासयात्रा–डॉ. गदाधर सिंह।

14-06-22

StudyOrigin.com